padhai I Class X

Hindi

Notes

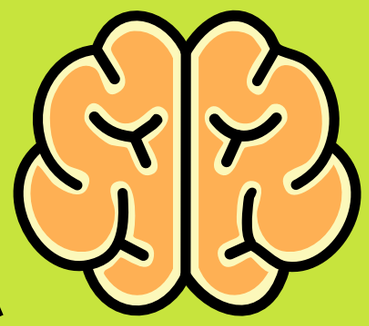

Full Explanations

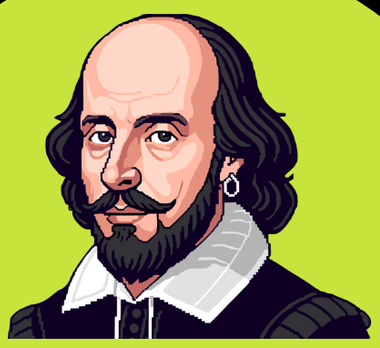

Character Sketch

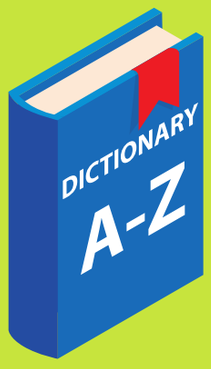

Word Meanings

- Tone
- Central ideas
- Devices

sparsh

8. बड़े भाई साहब (मुंशी प्रेमचंद)

यह चैप्टर सिर्फ एक कहानी नहीं, बल्कि 'शिक्षा' *(Education)* और 'जीवन के अनुभव' *(Life Experience)* के बीच के अंतर को समझने का जरिया है।

पात्रों का चरित्र-चित्रण (Character Sketch)

<u>बड़े भाई साहब:</u>

कर्तव्यपरायण: वे छोटे भाई के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी समझते थे।
गंभीर: वे हर समय पढ़ाई में डूबे रहते थे ताकि लेखक के सामने अच्छा उदाहरण पेश कर सकें।
त्यागी: उन्होंने अपने बचपन की इच्छाओं (खेल-कूद, पतंगबाजी) का त्याग कर दिया ताकि छोटा भाई बिगड़े नहीं।
अनुभवी: वे मानते थे कि डिग्रियों से ज़्यादा जीवन का अनुभव कीमती है।

<u>छोटा भाई (लेखक):</u>

चंचल: खेल-कूद में बहुत रुचि थी।
भाग्यशाली: कम पढ़कर भी अव्वल आते थे (लेकिन यह उनके घमंड का कारण भी बना)।
संकोची: बड़े भाई का बहुत सम्मान और डर दोनों उनके मन में था।

'बड़े भाई साहब' - विस्तृत व्याख्या (Full Explanation)

यह कहानी दो भाइयों के बीच के रिश्तों और उनके अलग-अलग दृष्टिकोणों (Perspectives) को दर्शाती है। मुंशी प्रेमचंद ने इसे तीन मुख्य हिस्सों में बाँटा है।

1. **भाई साहब का व्यक्तित्व और टाइम-टेबल (शुरुआत)**

बड़े भाई साहब लेखक से 5 साल बड़े थे, लेकिन स्कूल में केवल 3 साल आगे थे। वे पढ़ाई को बहुत गंभीरता से लेते थे। उनका मानना था कि शिक्षा की बुनियाद (Foundation) मज़बूत होनी चाहिए, इसलिए वे एक ही क्लास में दो-दो, तीन-तीन साल लगा देते थे।

वे हमेशा किताबें खोलकर बैठे रहते थे। जब वे पढ़ते-पढ़ते थक जाते, तो अपनी कॉपी या किताब के हाशिए (Margins) पर पक्षियों, कुत्तों और बिल्लियों की तस्वीरें बनाया करते थे। यह दिखाता है कि वे भी अंदर से एक बच्चे ही थे, लेकिन अपनी ज़िम्मेदारी के कारण खेल नहीं पाते थे।

टाइम-टेबल का किस्सा:

भाई साहब ने लेखक के लिए एक बहुत ही सख्त टाइम-टेबल बनाया, जिसमें सुबह 6 बजे से रात 11 बजे तक सिर्फ पढ़ाई ही पढ़ाई थी। लेकिन लेखक का मन तो बाहर के मैदान, ठंडी हवा और फुटबॉल के खेल में रहता था। नतीजा यह हुआ कि टाइम-टेबल तो बन गया, पर उस पर कभी अमल नहीं हो पाया।

2. **पहली परीक्षा और भाई साहब की डाँट**

सालाना इम्तिहान (Annual Exams) हुए। नतीजा चौंकाने वाला था—बड़े भाई साहब फिर से फेल हो गए और लेखक अपनी क्लास में अव्वल (First) आया।

अब लेखक के मन में थोड़ा घमंड आ गया। उसे लगा कि वह तो बिना पढ़े भी पास हो सकता है। उसने खेल-कूद में ज़्यादा समय बिताना शुरू कर दिया। भाई साहब ने लेखक की यह 'शान' (घमंड) देख ली। उन्होंने उसे आड़े हाथों लिया और रावण का उदाहरण दिया। उन्होंने समझाया कि "घमंड तो रावण का भी नहीं रहा, तो तुम्हारी क्या हस्ती है?" उन्होंने यह भी कहा कि इस बार तुम किस्मत से पास हो गए हो, लेकिन अगली क्लास में 'दाँतों पसीना आ जाएगा' (बहुत मुश्किल होगी)।

3. **दूसरी परीक्षा और अनुभव की जीत**

अगले साल फिर परीक्षा हुई। किस्मत ने फिर लेखक का साथ दिया और वह पास हो गया, जबकि भाई साहब फिर फेल हो गए। अब दोनों के बीच सिर्फ एक क्लास का अंतर रह गया था। लेखक के मन में आया कि वह भाई साहब को खूब सुनाए, लेकिन भाई साहब के उदास चेहरे को देखकर उसे दुख हुआ।.....

लेखक अब पूरी तरह पतंगबाज़ी के खेल में मस्त हो गया। एक दिन जब वह एक कटी हुई पतंग के पीछे भाग रहा था, तो अचानक उसका सामना भाई साहब से हो गया।

भाई साहब का अंतिम उपदेश (The Turning Point):

भाई साहब ने उसे बीच सड़क पर ही पकड़ लिया और बहुत ही भावुक होकर समझाया। उन्होंने कहा:

- किताबी ज्ञान बनाम अनुभव: उन्होंने बताया कि भले ही वे फेल हो रहे हैं और लेखक उनके बराबर पहुँच जाए, लेकिन वे हमेशा लेखक से 5 साल बड़े रहेंगे। उन्हें दुनिया का अनुभव लेखक से ज़्यादा है।
- अम्माँ-दादा का उदाहरण: उन्होंने कहा कि हमारी अम्माँ और दादा भले ही स्कूल नहीं गए, लेकिन उन्हें जीवन की समझ हमसे कहीं ज़्यादा है। अगर हम बीमार पड़ जाएँ या मुसीबत में हों, तो वे अपनी समझदारी से रास्ता निकाल लेंगे, चाहे उन्हें भूगोल (Geography) या इतिहास (History) न पता हो।

4. **कहानी का अंत (इमोशनल क्लाइमेक्स)**

भाई साहब की इन बातों ने लेखक का सिर शर्म से झुका दिया। उसे अहसास हुआ कि बड़े भाई साहब जो कुछ भी कह रहे हैं, वह एकदम सच है। उसे अपनी लघुता (छोटा होने) का अनुभव हुआ और बड़े भाई के प्रति श्रद्धा और बढ़ गई।

तभी एक कटी हुई पतंग ऊपर से गुज़री। भाई साहब लंबे थे, उन्होंने उछलकर पतंग की डोर पकड़ ली और हॉस्टल की तरफ दौड़ने लगे। लेखक भी उनके पीछे-पीछे भागने लगा। यह अंत दिखाता है कि भाई साहब भी एक बच्चे ही हैं, लेकिन छोटे भाई के लिए एक आदर्श बनने की खातिर उन्होंने अपनी खुशियों को दबा रखा था।

शब्दार्थ (Word Meanings) - MCQ के लिए महत्वपूर्ण

पुख्ता: मजबूत / सुदृढ़ (Solid)

तमाशा: खेल / मनोरंजन (Spectacle)

कौतूहल: जिज्ञासा / जानने की इच्छा (Curiosity)

तालीम: शिक्षा (Education)

अमल: पालन करना (To follow/implement)

हर्फ़: अक्षर (Letter)

मुहावरे (Idioms)

प्राण सूखना: बहुत डर जाना।

हंसी-खेल होना: बहुत आसान काम होना।

आँखें फोड़ना: बहुत ध्यान से पढ़ना / कड़ी मेहनत करना।

लोहे के चने चबाना: बहुत कठिन परिश्रम करना।

दाँतों पसीना आना: बहुत अधिक परेशानी झेलना।

गाढ़ी कमाई: मेहनत की कमाई।

मुख्य संदेश और व्याख्या

किताबी ज्ञान बनाम अनुभव:

चैप्टर का सबसे बड़ा संदेश यही है कि जीवन में सिर्फ किताबी ज्ञान (Bookish Knowledge) ही काफी नहीं है। बड़े भाई साहब उदाहरण देते हैं कि:

अम्माँ और दादा: वे स्कूल नहीं गए, लेकिन घर चलाने और दुनियादारी में वे हमसे ज़्यादा समझदार हैं।

हेडमास्टर साहब: उनके पास बड़ी डिग्रियाँ हैं, लेकिन जब तक उनकी माँ ने घर का प्रबंधन नहीं संभाला, उनका खर्च पूरा नहीं होता था।

पिछले वर्षों के महत्वपूर्ण प्रश्न (PYQs)

Q1. बड़े भाई साहब फेल होने के बावजूद छोटे भाई को क्यों डाँटते थे?

उत्तर: क्योंकि वे बड़े थे और चाहते थे कि छोटा भाई अपनी सफलता के घमंड में रास्ता न भटक जाए। वे उसे अनुशासित रखना अपना कर्तव्य समझते थे।

Q2. "बुद्धि वही है जो जीवन को समझे।" इस पंक्ति का आशय स्पष्ट करें।

उत्तर: इसका मतलब है कि असली शिक्षा वह है जो हमें जीवन की मुश्किलों का सामना करना और सही-गलत की पहचान करना सिखाए, न कि सिर्फ रट्टा मारकर क्लास पास करना।

Q3. बड़े भाई साहब का टाइम-टेबल क्यों फेल हो जाता था?

उत्तर: भाई साहब पढ़ाई का बहुत सख्त टाइम-टेबल बनाते थे, लेकिन उसमें खेल-कूद के लिए कोई जगह नहीं थी। लेखक का मन मैदान की हरियाली और खेल में रहता था, इसलिए वह उस पर अमल नहीं कर पाता था।

इस चैप्टर से क्या सीखा?

अनुभव की ताकत: डिग्री सिर्फ कागज़ का टुकड़ा है, असली ज्ञान वह है जो हमें जीवन जीना सिखाता है।

ज़िम्मेदारी का अहसास: बड़ा भाई होने के नाते भाई साहब ने अपना बचपन कुर्बान कर दिया ताकि उनका छोटा भाई सही रास्ते पर रहे।

घमंड का नाश: सफलता मिलने पर कभी घमंड नहीं करना चाहिए, क्योंकि मेहनत और किस्मत का तालमेल हमेशा बना रहना चाहिए।

***

Thankyou for Learning with

padhai

1M+
Community

Ask Doubts, share problems and connect with your peers

1L+
Practice Questions

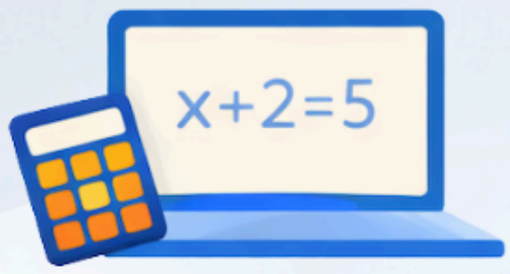

PPractice like a Topper with our A+ Practice System

Instant Upadates

Stay Updated with latest exam Updates

1k+
Resources

Everything you need form books, chapterwise pyqs to notes

500+
Educators

You choose your mentor, no course bundling

Click to visit :